बी.ए. प्रथम वर्ष–आगम विद्या एवं प्राकृत साहित्य
प्रथम पत्र–प्राकृत व्याकरण, अनुवाद एवं रचना

नोट– निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Answer any three questions of the following.

1. प्राकृत भाषा के उद्भव, विकास एवं भेदों पर एक निबन्ध लिखिए।
2. प्राकृत भाषा की किन्हीं 10 धातुओं का चयन करते हुए उनका तीनों कालों (वर्तमान, भूतकाल एवं भविष्यत्काल) में प्राकृत वाक्यों में प्रयोग कीजिए।
3. प्राकृत भाषा में स्वरसम्बन्धी परिवर्तन पर सोदाहरण समीक्षा कीजिए।
4. निम्नांकित किन्हीं 10 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।
   (1) बहुलम् ।
   (2) ह्रस्वः संयोगे।
   (3) अवर्णो य श्रुतिः।
   (4) इत्कृपादौ
   (5) दग्धनविदग्ध–वृद्धि–वृद्धे ढः।
   (6) द्य–य्य–र्यां जः।
   (7) उतो मुकुलादिष्वत्
   (8) म्नज्ञोर्णः।
   (9) आर्यायां र्यः श्वश्रवाम्
   (10) वृषभे वा वा।
   (11) ऊत्वे दुर्भग–सुभगे वः
   (12) ऋक्षे वा
   (13) अथ प्राकृतम्।
5. प्राकृत भाषा की व्युत्पत्ति करते हुए प्राकृत व्याकरण परम्परा के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए।
6. निम्नांकित किन्हीं 3 की विवेचना कीजिए–
7. प्राकृत में संधि विषयक नियम।
8. प्राकृत में ऋ के परिवर्तन सम्बन्धी नियम।
9. "दीर्घह्रस्वौ मिथे वृत्तौ" सूत्र की सोदाहरण व्याख्या।
10. नम धातु के विधि/आज्ञार्थक रूप।
11. निम्नांकित 8 शब्दों के प्राकृत रूप लिखिए–कृपाण, कृष्ण, मुकुट, निस्पृह, ऋषि, ऋतु, उपसर्ग, प्राकृत, मत्सर, करुण, युधिष्ठिर, भ्रमर।
12. निम्नांकित किन्हीं 4 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए–
   (i) दश–पाषाणे हः।
   (ii) फो भ–हौ।
   (iii) गृहस्य घरोऽपतौ।
   (iv) जटिले जो झो वा।
   (v) चन्द्रिकायां मः।
   (vi) गर्ते डः
13. नम धातु के प्रयोग के साथ वर्तमान काल में 10 वाक्य लिखकर उनका भूतकाल एवं भविष्यत्काल में अनुवाद कीजिए।
14. 'अथ प्राकृतम्' को विस्तार से समझाइये।
15. व्यत्यय करने वाले सूत्रों को सोदाहरण समझाइये।
16. बालक शब्द के रूप लिखें।

आगमविद्या एवं प्राकृत साहित्य
अर्द्धमागधी आगम एवं प्राकृत गद्य साहित्य
प्रश्न–पत्र : द्वितीय

नोट– निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Answer any three questions of the following.

1. 'मित्र का कपट' नामक पाठ अथवा 'गुणसेन के प्रति निदान' नामक पाठ की प्रमुख विषयवस्तु लिखकर उससे प्राप्त शिक्षा पर प्रकाश डालिए ।
2. शिल्पी कोक्कास नामक पाठ की भारतीय कथासाहित्य के संदर्भ में विशेषताएँ उजागर कीजिए।
3. ''मेरूप्रभ की अनुकम्पा'' नामक पाठ भारतीय कथाओं में अग्रणी एवं शिक्षाप्रद कथा है'' पाठ के कथानक के आधार पर इस कथन को सिद्ध कीजिए।
4. धूर्त गाड़ीवान की कथा को लिखकर उसके मूलभाव को लिखिए।
5. साधू की भाषा समिति के उपयोग की चर्चा 'वाक्यशुद्धि'अध्ययन के आधार पर कीजिए।
6. पूज्य किसे कहते हैं? विनय समाधि अध्ययन के आधर पर प्रकाश डालिए।
7. विनय किसे कहते हैं? श्रमणधर्म के आधार पर विनयपूर्ण मुनि के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।
8. दशवैकालिक नामक ग्रन्थ का परिचय देकर आगम साहित्य की परम्परा में उसका स्थान निर्धारित कीजिए।
9. श्रामण्यपूर्वक जीवन जीने के लिए साधु को क्या करना चाहिए।
10. क्षुल्लिकाचार नामक पाठ के अनुसार साधु के लिए क्या अनाचीर्ण (अकरणीय) है? विस्तार से समझाइए।
11. नंद मणिकार द्वारा बनवायी गई संस्थाओं की उपयोगिता पर निबन्ध लिखिए।
12. 'धूर्त्त और गाड़ीवान' नामक पाठ का सारांश लिखते हुए उससे प्राप्त शिक्षाओं का वर्णन कीजिए।
13. विनय समाधि (चौथे उद्देशक) के आधार पर उसके प्रभेदों का विस्तार से वर्णन करें।
14. दसवैकालिक का सामान्य परिचय एवं महत्त्व बताते हुए 'वक्कसुद्धि' अध्ययन का सारांश अपने शब्दों में लिखें।
15. चन्दनबाला के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए बताएं कि भगवान महावीर ने उसको कैसे तारा?
16. साधु जीवन के प्रमुख कार्यों का उल्लेख करें?
17. विद्युत प्रभा की बहादुरी एवं करुणामय कथा को अपने शब्दों में प्रस्तुत करें।